

## गुजराती लिपि तथा उच्चारण

गुजराती तथा हिंदी भाषाओं की लिपियों का मूल रूप एक ही है। लेकिन वर्तमानकाल की गुजराती वर्णमाला' आकार में हिंदी की देवनागरी वर्णमाला से कुछ अलग लगती है।

गुजराती वर्णमाला परिवर्धित देवनागरी के साथ नीचे दी गई है।

स्वर - अ आ ऌ ई उ ऊ ऋ  
अ आ इ ई उ ऊ (ऋ)

એ એ ઓ ઔ અં અઃ  
ए ऐ ओ औ अं अः

व्यंजन - ક ખ ગ ઘ ઙ  
क ख ग घ ङ  
ચ છ જ झ ઞ  
च छ ज झ ञ  
ટ ઠ ડ ઢ ણ  
ट ठ ड ढ ण  
ત થ દ ધ ન  
त थ द ध न  
પ ફ બ ભ મ  
प फ ब भ म  
ય ર લ વ શ  
य र ल व श  
ષ સ હ ળ (ક્ષ) (જ્ઞ)  
ष स ह ळ (क्ष) (ज्ञ)

ध्यान दीजिए कि, परंपरागत गुजराती वर्णमाला में 13 स्वर गिने जाते हैं। लेकिन उच्चारण के अनुसार 'ऋ' (ऋ), 'ॠ' (ॠ), 'अः' (अः) स्वर नहीं हैं। गुजराती में 'ऋ' का उच्चारण 'रु' होता है। (अं) अनुस्वार को और (अः) विसर्ग को दिखाते हैं। व्यंजनों में 'क्ष' (क्ष), और 'झ' (झ) भी गिने जाते हैं जो वास्तव में संयुक्त व्यंजन को दिखाते हैं। उन के उच्चारण यथाक्रम क् + ष = क्ष और ग् + न = ग्न होते हैं।

गुजराती लिपि पढ़ाने के लिए नीचे दिए गए दो तरीकों में से अध्यापक किसी एक को अपना सकते हैं।

पहले तरीके में सभी अक्षरों को वर्णमाला क्रम के अनुसार पढ़ा सकते हैं। इस प्रकार परंपरागत रीति में सभी अक्षरों को पढ़ाकर शब्द तथा वाक्य निर्माण की ओर आगे बढ़ना है।

दूसरे तरीके में अक्षरों के रूप साम्य तथा उन्हें लिखने में हाथ चलाने की रीति के आधार पर अक्षरों के विविध समूह बना कर पढ़ा सकते हैं। इस तरीके को अपनाने से प्रथम पाठ से ही शब्दों को पढ़ने और लिखने का अभ्यास शुरू कर सकेंगे। शिक्षार्थी के सुविधा के लिए गुजराती वर्णमाला के सभी अक्षरों के लिखने के क्रम, स्वराक्षरों की मात्राएँ, गुजराती बारह खड़ी, रूप साम्य के आधार पर गुजराती अक्षर के विभाग, संयुक्ताक्षर के विभाग, गुजराती अंक तथा लिपि पाठ का एक नमूना आदि इस लेखन में दिए गए हैं।

- 1) गुजराती वर्ण के ऊपर शिरोरेखा नहीं लगाई जाती, लेकिन जब रेखावाले कागज पर लिखते हैं तब रेखा के नीचे लिखना जरूरी होता है।

जैसे: આ મારું ઘર છે.

- 2) गुजराती के अक्षर जो हिंदी के अक्षरों से लिखने में भिन्न हैं वे इस प्रकार से हैं:-  
स्वर : અ, આ, ઈ, ઈ, ઉ, ઊ, એ, એ, ઓ, ઓ, (અં, અઃ) (गुजराती)  
अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ (अं. अः) (हिंदी)  
व्यंजन : ક ખ ચ જ ઝ ળ ઇ ઈ બ ભ લ ળ (गुजराती)  
क ख च ज झ ळ ण द फ ब भ ल (हिंदी)

गुजराती के इतर अक्षरों पर केवल शिरोरेखा लगाने से हिंदी अक्षर बन जाते हैं।

- 3) ध्यान दीजिए कि गुजराती में एक विशेष अक्षर है जो हिंदी में नहीं है। वह है 'ળ' (ळ)। इस का उच्चारण पार्श्विक मूर्धन्य ध्वनि का है। यह उच्चारण 'ड़' से थोड़ा मिलता है।
- 4) गुजराती में गोलाकार वाले अक्षर और खड़ी रेखावाले अक्षर हैं। उन में खड़ी रेखा हिंदी की तरह '।' होकर नीचे से मुड़ती हैं; जैसे: '।'। अक्षर लिखते समय शिक्षक इसका ध्यान देना जरूरी है। जैसे:- ખ, પ, મ

- 5) गुजराती के निम्न अक्षर दो प्रकार से लिखे जाते हैं।  
 ૨ + ઉ = રુ, રૃ  
 ૨ + ઊ = રૂ, રૃ
- 6) गुजराती में कुछ शब्दों में मध्य स्थान पर आनेवाले 'ર' (र), 'ડ' (ड), 'ળ' (ळ), 'લ' (ल) का उच्चारण कभी-कभी 'ય' 'ય' होता है।

गुजराती शब्द गुजराती लिपि में	गुजराती शब्द देवनागरी लिपि में	गुजराती उच्चारण देवनागरी लिपि में	हिंदी शब्द
પારણું	पारणु	पायणु	पालना
બારણું	बारणुं	बायणु	दरवाजा, द्वार
દોરડું	दोरडुं	दोयणु	रस्सी
ખાંડણી	खांडणी	खांयणी	छोटी - ओखली
શેરડી	शेरडी	शेयडी	पगडंडी
શેલડી	शेलडी	शेयडी	गन्ना
દલણું	दळणुं	दयणुं	पीसना
ચાલણી	चाळणी	चायणी	चलनी

- 7) गुजराती में (श) तथा (ष) का उच्चारण एक ही समान है। वह उच्चारण है (श) का।

### गुजराती के इतर लिपि चिह्न

|

1. '.' - यह चिह्न हिंदी के जैसे गुजराती में भी अनुस्वार को दिखाता है और इसका उच्चारण परिस्थितियों के अनुसार अलग अलग होता है।

- i) गुजराती में वर्गाक्षरों के पहले अनुस्वार का उच्चारण प्रत्येक वर्ग का नासिक्य व्यंजन का ही होता है जो नीचे दिए गए हैं।
- ii) ક (क) ખ (ख) ગ (ग) ઘ (घ) के पहले 'ડ' (ड) उच्चारण

गुजराती शब्द गुजराती लिपि में	गुजराती शब्द देवनागरी लिपि में	गुजराती उच्चारण देवनागरी लिपि में	हिंदी शब्द
કંકાસ	कंकास	कडकास	झगड़ा
પંખો	पंखो	पडखो	पंखा
ગંગા	गंगा	गडगा	गंगा
સંઘ	संघ	सडघ	संघ

2. 'ચ' (च), 'છ' (छ), 'જ' (ज), 'ઝ' (झ) के पहले 'ઞ' (ञ) उच्चारण
- | गुजराती शब्द     | गुजराती शब्द      | गुजराती उच्चारण   | हिंदी   |
|------------------|-------------------|-------------------|---------|
| गुजराती लिपि में | देवनागरी लिपि में | देवनागरी लिपि में | शब्द    |
| ચંચલ             | चंचल              | चञचल              | चंचल    |
| અંજન             | अंजन              | अञजन              | अजन     |
| ઝંઝાવત           | झंझावत            | झञझावत            | आँधी    |
| છંછેડવું         | छंछेडवुं          | छञछेडवुं          | छंछेडना |
3. 'ટ' (ट), 'ઠ' (ठ), 'ડ' (ड), 'ઢ' (ढ) के पहले 'ણ' (ण) उच्चारण
- | गुजराती शब्द     | गुजराती शब्द      | गुजराती उच्चारण   | हिंदी  |
|------------------|-------------------|-------------------|--------|
| गुजराती लिपि में | देवनागरी लिपि में | देवनागरी लिपि में | शब्द   |
| કંટક             | कंटक              | कण्टक             | काँटा  |
| સૂંઠ             | सूठ               | सूण्ठ             | सूठ    |
| ડંડો             | डंडो              | डण्डो             | डंडा   |
| ઢંઢેરો           | ढंढेरो            | ढण्ढेरो           | ढंढेरा |
4. 'ત' (त), 'થ' (थ), 'દ' (द), 'ધ' (ध) के पहले 'ન' (न) उच्चारण
- | गुजराती शब्द     | गुजराती शब्द      | गुजराती उच्चारण   | हिंदी            |
|------------------|-------------------|-------------------|------------------|
| गुजराती लिपि में | देवनागरी लिपि में | देवनागरी लिपि में | शब्द             |
| તંતુ             | तंतु              | तन्तु             | तंतु             |
| પંથ              | पंथ               | पन्थ              | पंथ              |
| ચૂંદડી           | चूंदणी            | चून्दणी           | चूंदरी (दुपट्टा) |
| અંધ              | अंध               | अन्ध              | अंधा             |
5. 'પ' (प), 'ફ' (फ), 'બ' (ब), 'ભ' (भ) के पहले 'મ' (म) उच्चारण
- | गुजराती शब्द     | गुजराती शब्द      | गुजराती उच्चारण   | हिंदी  |
|------------------|-------------------|-------------------|--------|
| गुजराती लिपि में | देवनागरी लिपि में | देवनागरी लिपि में | शब्द   |
| સંપાદક           | संपादक            | सम्पादक           | संपादक |
| ફંફોસવું         | फंफोसवुं          | फम्फोसवुं         | ढूंढना |
| અંબા             | अंबा              | अम्बा             | अंबा   |
| સમારંભ           | समारंभ            | समारम्भ           | समारंभ |
6. देखिए कि 'ય' (य) के पहले अनुस्वार का उच्चारण नीचे दिए गए चार प्रकारों से हो सकते हैं। उदाहरण के लिए 'સંયમ' शब्द के विविध उच्चारणों पर ध्यान दीजिए।
- 1) 'ય' (य) के पूर्व स्वर अनुनासिक बन जाता है जैसे 'અ' - સૈંયમ ' (सँयम)
  - 2) जब 'ય' (य) के पूर्व का स्वर अनुनासिक बन जाता है तब कभी कभी 'ય' का द्वित्व भी बन सकता है जैसे - 'સૈંયમ ' (सँय्यम)

3) कभी कभी 'य' (य) के पूर्व का स्वर अनुनासिक 'ँ' (ईं) बन जाता है जैसे-  
'सँयम' (सँयम)

4) 'य' (य) के पूर्व का स्वर अनुनासिक 'ँ' (ऐं) बन जाता है जैसे - सँयम (सँयम)

### 7. 'र' (र) के पहले अनुस्वार का उच्चारण निम्न प्रकारों से हो सकते हैं।

1) 'र' (र) के पहले अनुनासिक 'ँ' (उँ) का उच्चारण: 'सँरक्षण' - (सँरक्षण)

2) 'र' (र) के पहले दंत्योष्ठ्य नासिक्य 'म' (म) का उच्चारण: 'सँरक्षण' - (सँरक्षण)

3) 'र' (र) के पहले वत्स्य 'न' (न) का उच्चारण: सँरक्षण - (सँरक्षण)

4) 'र' (र) के पहले नासिक्य 'ड' (ड) का उच्चारण: सँरक्षण - (सँरक्षण)

### 8. ध्यान दीजिए कि 'ल' (ल) के पहले अनुस्वार का उच्चारण निम्न प्रकारों से हो सकते हैं।

1) 'ल' (ल) के पहले नासिक्य ध्वनि 'न' (न) का उच्चारण: 'सँलगन' - (सँलगन)

2) 'ल' (ल) के पहले नासिक्य ध्वनि 'ड' (ड) का उच्चारण: 'सँलगन' - (सँलगन)

3) 'ल' (ल) के पहले का स्वर अनुनासिक 'ँ' (उँ) बन सकता है।  
'सँलगन' - (सँलगन)

4) 'ल' (ल) के पहले का स्वर अनुनासिक 'ँ' (अँ) बनता है और 'ल' (ल) का द्वित्व भी बनता है। उच्चारण: 'सँलगन' - (सँलगन)

### 9. 'व' (व) के पहले अनुस्वार का उच्चारण निम्न प्रकारों से हो सकते हैं।

1) 'व' (व) के पहले नासिक्य ध्वनि 'म' (म) का उच्चारण: 'सँवेदन' - (सँवेदन)

2) 'व' (व) के पहले का स्वर अनुनासिक 'ँ' (उँ) बन सकता है। उच्चारण:  
'सँवेदन' - (सँवेदन)

3) 'व' (व) के पहले का स्वर अनुनासिक 'ँ' (अँ) बन सकता है और 'व' (व) का द्वित्व भी बनता है। उच्चारण: 'सँवेदन' - (सँवेदन)

10. 'श' (श) के पहले अनुस्वार का उच्चारण निम्न प्रकार से हो सकते हैं।
- 1) 'श' (श) के पहले का स्वर अनुनासिक 'उ' (उँ) बन सकता है। उच्चारण: 'अँश' - (अँश)
  - 2) 'श' (श) के पूर्व का स्वर अनुनासिक 'अँ' (अँ) बन जाता है। उच्चारण: 'अँश' - (अँश)
11. 'स' (स) के पहले अनुस्वार का उच्चारण निम्न प्रकार से हो सकते हैं।
- 1) 'स' (स) के पहले का स्वर अनुनासिक 'उ' (उँ) बन सकता है। उच्चारण: 'माँस' - (माँस)
  - 2) 'स' (स) के पूर्व का स्वर अनुनासिक 'अ' (अँ) बन जाता है। उच्चारण: 'माँस' - (माँस)
12. 'ह' (ह) के पहले अनुस्वार का उच्चारण निम्न प्रकार से हो सकते हैं।
- 1) 'ह' (ह) के पहले का स्वर 'अ' (अँ) अनुनासिक बन जाता है। उच्चारण: 'सँहार' - (सँहार)
  - 2) 'ह' (ह) के पहले का स्वर अनुनासिक 'उ' (उँ) बन सकता है। उच्चारण: 'सँहार' - (सँहार)
- II 'ँ' इसका धर्म हिंदी के समान अनुनासिकता दिखाना है। जैसे - 'चाँद' (चाँद)
- III 'ः' यह चिह्न विसर्ग को दिखाता है। इसका उच्चारण कहीं कहीं हिंदी के 'ह' जैसा है और कहीं पूर्ववर्ती व्यंजन - ध्वनि के द्वित्व का द्योतक भी होता है। जैसा: 'पुः' (पुः) (पुः), 'दुः' (दुः) (दुः)
- IV 'ँ' इस का प्रयोग स्वतंत्र व्यंजन को दिखाना है। जैसे - 'वाक्चातुरी' (वाक्चातुरी) 'दिक्पाल' (दिक्पाल) 'दिशारक्षक'
- V 'ँ' गुजराती में इस चिह्न को 'अवड़ी मात्रा' कहते हैं। इसका प्रयोग प्रायः अंग्रेजी से आए हुए शब्दों के विशेष स्वरों के उच्चारण जो 'ए' तथा 'ओ' से अलग है, उन्हें दिखाने के लिए करते हैं। जैसे - 'बैट' (बैट) 'फैशन' (फैशन) 'कॉफी', 'डॉक्टर' (डॉक्टर), 'ऑगस्ट' (ऑगस्ट) 'बॉल' (बॉल)। हिंदी में भी उस के लिए प्रत्येक चिह्न 'अँ' होता है। जैसे: डॉक्टर

1. गुजराती के अक्षर लिखने में हाथ चलाने की रीति:-

स्वर वर्ण

અ આ ઈ ઈ

अ

आ

इ

ई

ઉ ડી ઋ

उ

ऊ

ऋ

એ એ ઓ ઔ

ए

ऐ

ओ

औ

અં અઃ

अं

अः

## व्यांन वर्ण

ક ખ ગ ઘ ઙ

ક . ख ग घ ङ

ચ છ જ ઝ ઞ

च छ ज झ ञ

ટ ઠ ડ ઢ ણ

ट ठ ड ढ ण

ત થ દ ધ ન

त थ द ध न

પ ફ બ ભ મ

प फ ब भ म



ય ર લ વ શ

ય

ર

લ

વ

શ

ષ સ હ ળ

ષ

સ

હ

ળ

ક્ષ જ્ઞ

ક્ષ

જ્ઞ

## 2. गुजराती स्वराक्षरों की मात्राएँ, 'ऋ' तथा अनुस्वार-विसर्गों के उपचिह्न

अ	।	क	घ	ण
आ	।	का	घा	णा
इ	ि	जि	लि	मि
ई	ी	भी	री	वी
उ	ु	बु	बु	बु
ऊ	ू	बु	बु	बु
ऋ	ॠ	मृ	गृ	नृ
(ऋ)	ॠ	मृ	गृ	नृ
ए	ँ	पे	छे	टे
ऐ	ँ	जै	मै	गै
ओ	ँ	रो	को	नो
औ	ँ	कौ	नौ	फौ
अं	ं	चं	पं	कं
अः	ः	दुः	विः	निः
अः	ः	दुः	विः	निः

3. गुजराती व्यंजनाक्षर स्वराक्षरों की मात्राओं, 'ऋ' तथा अनुस्वार-विसर्गों के उपचिह्नों के साथ







ક	કા	કિ	કી	કુ	કૂ	કૃ	કે	કૈ	કો	કૌ	કં	કઃ
ખ	ખા	ખિ	ખી	ખુ	ખૂ	X	ખે	ખૈ	ખો	ખૌ	ખં	ખઃ
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खृ	खे	खै	खो	खौ	खं	खः
ગ	ગા	ગિ	ગી	ગુ	ગૂ	ગૃ	ગે	ગૈ	ગો	ગૌ	ગં	ગઃ
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गृ	गे	गै	गो	गौ	गं	गः
ઘ	ઘા	ઘિ	ઘી	ઘુ	ઘૂ	ઘૃ	ઘે	ઘૈ	ઘો	ઘૌ	ઘં	ઘઃ
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घृ	घे	घै	घो	घौ	घं	घः
ઙ	X	X	X	X	X	X	X	X	X	X	X	X
ङ	X	X	X	X	X	X	X	X	X	X	X	X
ચ	ચા	ચિ	ચી	ચુ	ચૂ	X	ચે	ચૈ	ચો	ચૌ	ચં	ચઃ
च	चा	चि	ची	चु	चू	X	चे	चै	चो	चौ	चं	चः
છ	છા	છિ	છી	છુ	છૂ	X	છે	છૈ	છો	છૌ	છં	છઃ
छ	छा	छि	छी	छु	छू	X	छे	छै	छो	छौ	छं	छः
જ	જા	જિ	જી	જુ	જૂ	જૃ	જે	જૈ	જો	જૌ	જં	જઃ
ज	जा	जि	जी	जु	जू	जृ	जे	जै	जो	जौ	जं	जः
ઝ	ઝા	ઝિ	ઝી	ઝુ	ઝૂ	X	ઝે	ઝૈ	ઝો	ઝૌ	ઝં	ઝઃ
झ	X	X	X	X	X	X	X	X	X	X	X	X
ઞ	X	X	X	X	X	X	X	X	X	X	X	X
ञ	X	X	X	X	X	X	X	X	X	X	X	X
ટ	ટા	ટિ	ટી	ટુ	ટૂ	X	ટે	ટૈ	ટો	ટૌ	ટં	ટઃ
ट	टा	टि	टी	टु	टू	X	टे	टै	टो	टौ	टं	टः
ઠ	ઠા	ઠિ	ઠી	ઠુ	ઠૂ	X	ઠે	ઠૈ	ઠો	ઠૌ	ઠં	ઠઃ
ठ	ठा	ठि	ठी	ठु	ठू	X	ठे	ठै	ठो	ठौ	ठं	ठः
ડ	ડા	ડિ	ડી	ડુ	ડૂ	X	ડે	ડૈ	ડો	ડૌ	ડં	ડઃ
ड	डा	डि	डी	डु	डू	X	डे	डै	डो	डौ	डं	डः

ढ	ढा	ढि	ढी	ढु	ढू	X	ढे	ढै	ढो	ढौ	ढं	ढः
ढ	ढा	ढि	ढी	ढु	ढू	X	ढे	ढै	ढो	ढौ	ढं	ढः
झ	झा	झि	झी	झु	झू	X	झे	झै	झो	झौ	झं	झः
ण	णा	णि	णी	णु	णू	णृ	णे	णै	णो	णौ	णं	णः
त	ता	ति	ती	तु	तू	तृ	ते	तै	तो	तौ	तं	तः
त	ता	ति	ती	तु	तू	तृ	ते	तै	तो	तौ	तं	तः
थ	था	थि	थी	थु	थू	X	थे	थै	थो	थौ	थं	थः
थ	था	थि	थी	थु	थू	X	थे	थै	थो	थौ	थं	थः
ड	डा	डि	डी	डु	डू	डृ	डे	डै	डो	डौ	डं	डः
द	दा	दि	दी	दु	दू	दृ	दे	दै	दो	दौ	दं	दः
ध	धा	धि	धी	धु	धू	धृ	धे	धै	धो	धौ	धं	धः
ध	धा	धि	धी	धु	धू	धृ	धे	धै	धो	धौ	धं	धः
न	ना	नि	नी	नु	नू	नृ	ने	नै	नो	नौ	नं	नः
न	ना	नि	नी	नु	नू	नृ	ने	नै	नो	नौ	नं	नः
प	पा	पि	पी	पु	पू	पृ	पे	पै	पो	पौ	पं	पः
प	पा	पि	पी	पु	पू	पृ	पे	पै	पो	पौ	पं	पः
झ	झा	झि	झी	झु	झू	X	झे	झै	झो	झौ	झं	झः
फ	फा	फि	फी	फु	फू	X	फे	फै	फो	फौ	फं	फः
ब	बा	बि	बी	बु	बू	बृ	बे	बै	बो	बौ	बं	बः
भ	भा	भि	भी	भु	भू	भृ	भे	भै	भो	भौ	भं	भः
भ	भा	भि	भी	भु	भू	भृ	भे	भै	भो	भौ	भं	भः
म	मा	मि	मी	मु	मू	मृ	मे	मै	मो	मौ	मं	मः
म	मा	मि	मी	मु	मू	मृ	मे	मै	मो	मौ	मं	मः
य	या	यि	यी	यु	यू	X	ये	यै	यो	यौ	यं	यः
य	या	यि	यी	यु	यू	X	ये	यै	यो	यौ	यं	यः
र	रा	रि	री	रु	रू	X	रे	रै	रो	रौ	रं	रः
र	रा	रि	री	रु	रू	X	रे	रै	रो	रौ	रं	रः

લ	લા	લિ	લી	લુ	લૂ	X	લે	લૈ	લો	લૌ	લં	લઃ
લ	લા	લિ	લી	લુ	લૂ	X	લે	લૈ	લો	લૌ	લં	લઃ
વ	વા	વિ	વી	વુ	વૂ	વૃ	વે	વૈ	વો	વૌ	વં	વઃ
વ	વા	વિ	વી	વુ	વૂ	વૃ	વે	વૈ	વો	વૌ	વં	વઃ
શ	શા	શિ	શી	શુ	શૂ	શૃ	શે	શૈ	શો	શૌ	શં	શઃ
શ	શા	શિ	શી	શુ	શૂ	શૃ	શે	શૈ	શો	શૌ	શં	શઃ
ષ	ષા	ષિ	ષી	ષુ	ષૂ	ષૃ	ષે	ષૈ	ષો	ષૌ	ષં	ષઃ
ષ	ષા	ષિ	ષી	ષુ	ષૂ	ષૃ	ષે	ષૈ	ષો	ષૌ	ષં	ષઃ
સ	સા	સિ	સી	સુ	સૂ	સૃ	સે	સૈ	સો	સૌ	સં	સઃ
સ	સા	સિ	સી	સુ	સૂ	સૃ	સે	સૈ	સો	સૌ	સં	સઃ
હ	હા	હિ	હી	હુ	હૂ	હૃ	હે	હૈ	હો	હૌ	હં	હઃ
હ	હા	હિ	હી	હુ	હૂ	હૃ	હે	હૈ	હો	હૌ	હં	હઃ
ળ	ળા	ળિ	ળી	ળુ	ળૂ	ળૃ	ળે	ળૈ	ળો	ળૌ	ળં	ળઃ
ળ	ળા	ળિ	ળી	ળુ	ળૂ	ળૃ	ળે	ળૈ	ળો	ળૌ	ળં	ળઃ
ઠ	ઠા	ઠિ	ઠી	ઠુ	ઠૂ	ઠૃ	ઠે	ઠૈ	ઠો	ઠૌ	ઠં	ઠઃ
ઠ	ઠા	ઠિ	ઠી	ઠુ	ઠૂ	ઠૃ	ઠે	ઠૈ	ઠો	ઠૌ	ઠં	ઠઃ
ક્ષ	ક્ષા	ક્ષિ	ક્ષી	ક્ષુ	ક્ષૂ	ક્ષૃ	ક્ષે	ક્ષૈ	ક્ષો	ક્ષૌ	ક્ષં	ક્ષઃ
ક્ષ	ક્ષા	ક્ષિ	ક્ષી	ક્ષુ	ક્ષૂ	ક્ષૃ	ક્ષે	ક્ષૈ	ક્ષો	ક્ષૌ	ક્ષં	ક્ષઃ
ઙ	ઙા	ઙિ	ઙી	ઙુ	ઙૂ	ઙૃ	ઙે	ઙૈ	ઙો	ઙૌ	ઙં	ઙઃ
ઙ	ઙા	ઙિ	ઙી	ઙુ	ઙૂ	ઙૃ	ઙે	ઙૈ	ઙો	ઙૌ	ઙં	ઙઃ

4. गुजराती के अक्षरों को रूप साम्य के आधार पर दस विभागों में बाँटा जा सकता है जो नीचे दिए गए हैं। हर विभाग के नीचे कुछ उदाहरण शब्दों का गठन भी किया गया है।

## 4.1






  
 ड      ड      ठ      ह      क      फ

Sॡ (डफ)      ॡठ (हठ)      ॡक (हक)  
 ॡS (फड)      ॡSॡ (फडक)      ॡSॡ (कडक)  
 ॡक (ठक)









## 4.2.




  
 ट      ढ      य      थ

टकटक (टकटक)      थS (थड)      ढक (ढफ)  
 ॡट (हट)      ॡय (हय)      ॡक (फक)  
 Sॡ (डफ)

## 4.3.




  
 द      ड      ड      ध  



  
 घ      छ      ञ      ण

ઈદ	(ईद)	ઘડ	(छड़)	કીકી	(कीकी)	ઘડ	(घड)
કડી	(कड़ी)	છઠ	(छठ)	દીદી	(दीदी)	ફીકી	(फीकी)
થઈ	(थई)	ઘટી	(घटी)	દિક્	(दिक्)	ધિક	(धिक)
હદ	(हद)	કદી	(कदी)				

4.4.

ઉ	ઊ	ગ	ઝ	ણ
उ	ऊ	ग	झ	ण
ૃ	ૂ			
उ	ऊ			

ઉકઈ	(उकई)	ફૂટી	(कूटी)
ફૂટી	(फूटी)	ઊડ	(ऊड)
ઉઘડ	(उघड)	ઊઠ	(ऊठ)
દૂધ	(दूध)	ઊડ	(ऊड)
દુડી	(दुडी)	ગઉ	(गउ)
ઊગ	(ऊग)	ગડી	(गडी)
ઢગ	(ढग)	ગઈ	(गई)
ડગ	(डग)	ગણ	(गण)
કણ	(कण)		

4.5.

ર	સ	શ	જ
र	स	श	ज

રસ	(रस)	કસ	(कस)
શર	(शर)	સૂર	(सूर)
શૂર	(शूर)	રણ	(रण)

જરી	(जरी)	શરદ	(शरद)
શરદી	(शरदी)	સૂછ	(सूजी)
જરૂર	(जरूर)	કરણ	(करण)
શરણ	(शरण)	જઠર	(जठर)
ફરક	(फरक)	સુધરી	(सुधरी)
સૂરણ	(सूरण)	રગ	(रग)
સર	(सर)	શર	(शर)
જડી	(जडी)	સગડી	(सगडी)

4.6.

ચ અ આ અં અઃ

च अ आ अं अः  
·  
:

એ એ ઓ ઔ

ए ऐ ओ औ

ँ ॎ ॑ ॒  
ँ ॎ ॑ ॒

સંચો	(संचो)	ગેસ	(गेस)
કાગડો	(कागडो)	ચાંદો	(चांदो)
જાય	(जाय)	ચૂં ચૂં	(चूँ चूँ)
ઉંદર	(उंदर)	હું	(हूँ)
જાઉં	(जाऊँ)	ગયું	(गयुं)
છું	(छुं)	થયું	(थयुं)
થયો	(थयो)	ઝંડી	(झंडी)



શું	(શું)	કૂદી	(કૂદી)
ચઢી	(ચઢી)	ઠંડી	(ઠંડી)
અગાશી	(અગાશી)	કૈકયી	(કૈકયી)
ઘોડો	(ઘોડો)	ઘેર	(ઘેર)
સિંહણ	(સિંહણ)	સૌ	(સૌ)

4.7.

પ	ષ	ખ	ઋ		
પ	ષ	ખ	ઋ		
પરખ	(પરખ)	ષોડશ	(ષોડસ)	ષષ્ટિ	(ષષ્ટિ)
ખડક	(ખડક)	ખખડઘજ	(ખખડઘજ)	ખગોળ	(ખગોળ)
ઋષિ	(ઋષિ)	ઋગ્વેદ	(ઋગ્વેદ)	ઋતુ	(ઋતુ)
ઋષભ	(ઋષભ)				

4.8.

વ	બ	ળ			
વ	બ	ળ			
વટાણા	(વટાણા)	વડવાઈ	(વડવાઈ)	વાવવું	(વાવવું)
બાવો	(બાવો)	બોરડી	(બોરડી)	બપોર	(બપોર)
બાકોરું	(બાકોરું)	પાળવું	(પાળવું)	હળ	(હળ)
જાળ	(જાળ)	બળદ	(બળદ)	વળ	(વળ)

4.9.

त	न	म	भ	ल
त	न	म	भ	ल
मंदिर	(मंदिर)	लाल	(लाल)	
दाडम	(दाडम)	नागदेवता	(नागदेवता)	
भारत	(भारत)	भूमि	(भूमि)	
जमरुख	(जमरुख)	भाखरी	(भाखरी)	
चाकरी	(चाकरी)	पामे	(पामे)	
नाना	(नाना)	मामा	(मामा)	
केवी	(केवी)	अजब	(अजब)	
जेवी	(जेवी)	वात	(वात)	
लीधो	(लीधो)	कीधो	(कीधो)	
धुम	(धुम)	बेंगलोर	(बेंगलोर)	
सोलापुर	(सोलापुर)	ताजमहेल	(ताजमहेल)	
झूलतो	(झूलतो)	पुल	(पूल)	

4.10

·	:	∪	
अंश	(अंश)	वंश	(वंश)
दुःख	(दुःख)	पुनः	(पुनर्)
चाँद	(चाँद)		

5. संयुक्ताक्षर के विभाग

5.1 गुजराती के संयुक्ताक्षरों को भी अठारह विभागों में बाँटा जा सकता है जो नीचे दिखाए गए हैं।

5.1	ક	+	ક	=	કક	કકડો, નક્કી, તબક્કો, મુક્કર
	ફ	+	ફ	=	ફફ	ફફડો, ગફફાર
	છ	+	છ	=	છછ	છછડો, ગુછછ
	જ	+	જ	=	જજ	ઉજજવળ, લિજજત, ગજજર,

5.2	ક	+	ક	=	ક	અકો, ચકો
	ઠ	+	ઠ	=	ઠ	ઠકો, છકી, ચિકી
	ટ	+	ટ	=	ટ	ટકુ, પકો, ટકાર, ઘટ
	ઢ	+	ઢ	=	ઢ	ઢકો

5.3	ખ	+	ખ	=	ખખ	મખખી, ચિખખલ, ચોખખાઈ
	ગ	+	ગ	=	ગગ	છગગો, મગગો, લગગી
	ચ	+	ચ	=	ચચ	ચચો, ઉચચાર, ખચચર
	ધ	+	ધ	=	ધધ	અધધર, સધધર
	ત	+	ત	=	તત/ત	ઉતર, સિતેર, વૃત્ત, ઉતમ
	થ	+	થ	=	થથ	પથથર, કથથઈ, બથથમ
	દ	+	દ	=	દ	દઢ
	ન	+	ન	=	નન	અનન, પ્રસનન, ઉનનત
	પ	+	પ	=	પપ	છપપન, પપપા, છપપા, અપપા
	બ	+	બ	=	બબ	ગબબર, બબબે, ઝબબો, મુરબબી
	ભ	+	ભ	=	ભભ	ભભમો, ઝભભો
	મ	+	મ	=	મમ	ઝુમમર, મમમટ, ધુમમટ
	ય	+	ય	=	યય	શયયા, અયયર, સયયર
	લ	+	લ	=	લલ	પલ્લી, ગલ્લો, ખુલ્લો
	વ	+	વ	=	વવ	અવ્વલ, છવ્વીસ, કવ્વાલી, નવ્વાણુ
	શ	+	શ	=	શશ	શશશો
	ષ	+	ષ	=	ષષ	ષષષો
	સ	+	સ	=	સસ	રસસી, કિસસો, ઠસસો

5.4	ક	+	ત	=	કત	રકત, ભકત, મુકત
	ક	+	ય	=	કય	વાક્ય, શક્ય, ક્યારે, ક્યાં
	છ	+	ય	=	છય	છ્યાછી
	ઠ	+	ય	=	ઠય	કંઠય, પાઠય, ગોઠયું
	ડ	+	ય	=	ડય	દોડયું, રડયું, જડયું, ડંડય
	ઢ	+	ય	=	ઢય	ધનાઢય, વઢયો, ચઢયું
	જ	+	ય	=	જય	જ્યારે, જ્યો, જ્યોત્સના, જ્યોત
	ઙ	+	ય	=	ઙય	બાઙયું, ઙયુચર
	ઝ	+	ય	=	ઝય	બાઝયા, દાઝયા
	ઞ	+	ય	=	ઞય	કઞ્યું, રઞ્યું, સઞ્યું
	ટ	+	ય	=	ટય	ગાટ્યું, માટ્યું, બાટ્યું
5.5	ત્	+	ક	=	ત્ક	સત્કાર, ઉત્કંઠા, ઉત્કટ, ઉત્કલ
	ત્	+	ન	=	ત્ન	રત્ન, પત્ની
	ત્	+	સ	=	ત્સ	મહોત્સવ, ઉત્સવ, સત્સંગ
	ત્	+	લ	=	ત્લ	કત્લ, ઉત્પલ, મત્લ
	ત્	+	પ	=	ત્પ	ઉત્પત્તિ, ઉત્પાદન, ઉત્પન
	ત્	+	થ	=	ત્થ	ઉત્થાન, ઉત્થ, ઉત્થાપક
	ત્	+	મ	=	ત્મ	આત્મ, એકાત્મ, ખત્મ
	ત્	+	વ	=	ત્વ	સત્વ, ત્વચા, પુરુષત્વ
	ત્	+	ય	=	ત્ચ	સત્ચ, નિત્ચ, ઔચિત્ચ
5.6	ખ્	+	ત	=	ખ્ત	સખ્ત, તખ્તો, પુખ્ત, બખ્તર
	સ્	+	ત	=	સ્ત	અસ્ત, મસ્ત, હસ્ત
	શ્	+	ત	=	શ્ત	કિશ્ત, કિશ્તી, રિશ્તેદાર
	પ્	+	ત	=	પ્ત	સપ્ત, પ્રાપ્ત, તૃપ્ત
	ન્	+	ત	=	ન્ત	અન્ત, કાન્ત, શાન્ત
5.7	ખ્	+	ય	=	ખ્ય	ખ્યાત, ખ્યાલ, આખ્યાન, વ્યાખ્યા
	ગ્	+	ય	=	ગ્ય/ગ્ય	ભાગ્ય, વાગ્ય, વાગ્યુદ્ધ
	ચ્	+	ય	=	ચ્ય	અચ્યુત
	ત્ર્	+	ય	=	ત્ર્ય	ચારિત્ર્ય, ત્ર્યંબક, ત્ર્યહિક

	ન્	+	ય	=	ન્ય	અન્ય, શૂન્ય, માન્ય
	વ્	+	ય	=	વ્ય	વ્યવસાય, તાલવ્ય, ગંતવ્ય, કાવ્ય
	લ્	+	ય	=	લ્ય	મૂલ્ય, માંગલ્ય, કલ્યાણ
	ધ્	+	ય	=	ધ્ય/ઘ	મધ્યમ, અધ્યાય, સંધ્યા, ઉદ્યોગ
	ષ્	+	ય	=	ષ્ય	મનુષ્ય, ભવિષ્ય, શિષ્ય
	મ્	+	ય	=	મ્ય	રમ્ય, ગમ્ય, મ્યાન
	ભ્	+	ય	=	ભ્ય	અભ્યાસ, સભ્ય, લભ્ય, અભ્યારણ
	ણ્	+	ય	=	ણ્ય	અગ્રણ્ય, પુણ્ય, અગણ્યાર્થેશી
	થ્	+	ય	=	થ્ય	કથ્ય, પથ્ય, તથ્ય
	બ્	+	ય	=	બ્ય	બ્યાન, બ્યૂગલ, બ્યાસી
	શ્	+	ય	=	શ્ય	અવશ્ય, શ્યામ, અદશ્ય
	સ્	+	ય	=	સ્ય	તરસ્યું, વરસ્યું
	પ્	+	ય	=	પ્ય	પ્યાસ, પ્યાર, પ્રાપ્ય, આપ્યું
5.8	ઠ્	+	ક	=	ઠ્ક	કઠ્કશ, કઠ્ક, તઠ્ક, સતઠ્ક
	ઠ્	+	ચ	=	ઠ્ચ	ખર્ચ, ચર્ચ, ચર્ચરી
	ઠ્	+	ગ	=	ઠ્ગ	ગઠ્ગ, વઠ્ગ, સ્વઠ્ગ, માઠ્ગ
	ઠ્	+	ણ	=	ઠ્ણ	વઠ્ણ, પઠ્ણ, કઠ્ણ, વઠ્ણન
	ઠ્	+	ત	=	ઠ્ત	વઠ્તન, મૂઠ્ત, કઠ્તવ્ય
	ઠ્	+	થ	=	ઠ્થ	પાર્થ, પ્રાર્થના, તીર્થયાત્રા, સાર્થક
	ઠ્	+	દ	=	ઠ્દ	મઠ્દ, હાઠ્દ, શઠ્દ
	ઠ્	+	લ	=	ઠ્લ	પુનઠ્લગન
	ઠ્	+	જ	=	ઠ્જ	જઠ્જર, સઠ્જન, કઠ્જ, ફઠ્જ
	ઠ્	+	ધ	=	ઠ્ધ	અઠ્ધ, વઠ્ધક, વઠ્ધિત
	ઠ્	+	શ	=	ઠ્શ	દઠ્શન, સ્પઠ્શ, પ્રદઠ્શિત
	ઠ્	+	મ	=	ઠ્મ	મઠ્મ, કઠ્મ, ધઠ્મ
	ઠ્	+	ન	=	ઠ્ન	ફઠ્નિચર, અઠ્નિશ
	ઠ્	+	વ	=	ઠ્વ	પઠ્વ, ગઠ્વ, સઠ્વ, પઠ્વત
	ઠ્	+	ષ	=	ઠ્ષ	આઠ્ષ, વઠ્ષ, વઠ્ષા, ઈઠ્ષા
	ઠ્	+	ભ	=	ઠ્ભ	ગઠ્ભ, ગઠ્ભિત, ગઠ્ભાંજું
	ઠ્	+	પ	=	ઠ્પ	અઠ્પણ, તઠ્પણ, દઠ્પણ
	ઠ્	+	ય	=	ઠ્ચ	આઠ્ચ, ઉપઠ્ચુકત, ભઠ્ચું

5.9	ક	+	ર	=	ક	કમ, વક, શુક, કોધ
	ખ	+	ર	=	ખ	ખિસ્ત
	ગ	+	ર	=	ગ	ગસ્ત, ગ્રહ, અગ્ર
	ઙ	+	ર	=	ઙ	ચંદ્ર, ભદ્ર, અદ્દશ્ય, દ્રોહ
	પ	+	ર	=	પ્ર	પ્રેમ, પ્રજ્વલ, પ્રચાર
	ભ	+	ર	=	ભ્ર	ભ્રમ, શુભ્ર, અભ્ર, ભ્રાંતી
	બ	+	ર	=	ભ્ર	ભ્રહ્મ, ભ્રહ્મામણ
	વ	+	ર	=	વ્ર	વ્રત, વ્રતાળ
	જ	+	ર	=	જ	વજ, વજઘાત, વજલેપ
	મ	+	ર	=	મ્ર	સમ્રાટ, સામ્રાજ્ય
	ઙ	+	ર	=	ઙ	ઙેમ, ઙી, ઙેડ
	ધ	+	ર	=	ધ્ર	આંધ્રપ્રદેશ, ધ્રાસકો, ધ્રુસકો
	શ	+	ર	=	શ્ર	શ્રમ, વિશ્રામ, શ્રુતિ, આશ્રમ
5.10	ડ	+	ર	=	ડ્ર	ડ્રમ, ડ્રાઉંડ્રાઉ
	ટ	+	ર	=	ટ્ર	ટ્રસ્ટ, ટ્રામ, ટ્રક, રાષ્ટ્ર
5.11	ક	+	ઋ	=	કૃ	કૃષ્ણ, કૃતિ, કૃપા, પ્રાકૃતિક
	ગ	+	ઋ	=	ગૃ	ગૃહ, ગૃહપતિ
	ત	+	ઋ	=	તૃ	તૃષ્ટિ, તૃતીય, તૃણ
	પ	+	ઋ	=	પૃ	પૃચ્છા, પૃષ્ઠ, પૃથ્વી
	મ	+	ઋ	=	મૃ	મૃગ, અમૃત, મૃત, મૃદંગ
	વ	+	ઋ	=	વૃ	વૃત, વૃંદ, વૃષભ
	શ	+	ઋ	=	શૃ	શૃંગાર, શૃંખલા, શૃંગ
	સ	+	ઋ	=	સૃ	સૃષ્ટિ, સૃજન
5.12	લ	+	પ	=	લપ	અલપ, કલપ, સ્વલપ, વિકલપ
	લ	+	ક	=	લક	ઉલકા, શુલક, મૂલક, બલક
	લ	+	મ	=	લમ	વાલ્મીકી, જુલમ
	લ	+	મ	=	લમ	પદ્મ, છદ્મ
	લ	+	મ	=	લમ	બ્રહ્મ, બ્રહ્મા
	લ	+	મ	=	લમ	સૂક્ષ્મ, લક્ષ્મી

	પ્	+	લ	=	પ્લ	પ્લાવ, વિપ્લવ, પ્લોટ
	શ્	+	લ	=	શ્લ/શ્લ	શ્લેષ, શ્લોક (શ્લોક)
5.13	ષ્	+	ક	=	ષ્ક	પુષ્કળ, આવિષ્કાર, નિષ્કલ
	ષ્	+	ટ	=	ષ્ટ	કષ્ટ, શિષ્ટ, અષ્ટક, ચેષ્ટા
	ષ્	+	ઠ	=	ષ્ઠ	નિષ્ઠા, પ્રતિષ્ઠા, કોષ્ઠક
	ષ્	+	ણ	=	ષ્ણ	કૃષ્ણ, ઉષ્ણ, વિષ્ણુ
	ષ્	+	મ	=	ષ્મ	ઉષ્મા, સુષ્મા, ગ્રીષ્મ
	ષ્	+	પ	=	ષ્પ	પુષ્પ, પુષ્પક, ચતુષ્પદ
	શ્	+	ક	=	શ્ક	મશ્કરી, ઉશ્કેરાટ, લશ્કરી
	સ્	+	ક	=	સ્ક	સંસ્કાર, વયસ્ક, નમસ્કાર, સ્કંદ
	સ્	+	ખ	=	સ્ખ	સ્ખલન
	સ્	+	મ	=	સ્મ	ભસ્મ, વિસ્મય, કિસ્મત, સ્મરણ
	સ્	+	પ	=	સ્પ	પરસ્પર, સ્પર્શ, સ્પંદન, સ્પર્ધા
	સ્	+	ન	=	સ્ન	સ્નાન, સ્નાતક, સ્નેહ
	સ્	+	વ	=	સ્વ	સ્વાગત, વર્ચસ્વ, સ્વર, સ્વમાન
	સ્	+	થ	=	સ્થ	સ્થળ, સ્થાપન, સંસ્થા
	સ્	+	ત્ર	=	સ્ત્ર	સ્રોત, વસ્ર, અસ્ર, સ્ત્રી
	સ્	+	લ	=	સ્લ	વસ્લ, નસ્લ, મસ્લહત
	સ્	+	ટ	=	સ્ટ	સ્ટંટ, જસ્ટ, સ્ટાર
5.14	ક્ષ્	+	ષ	=	ક્ષ્ષ	ક્ષણ, પક્ષ, મોક્ષ, ક્ષમા
	જ્ઞ	+	ઞ	=	જ્ઞઞ	અગ્નિ, લગ્ન, જ્ઞાન, જ્ઞાતા, પ્રજ્ઞા
5.15	થ્	+	વ	=	થ્વ	પૃથ્વી
	ઢ્	+	વ	=	ઢ્વ	દ્વાર, અઢૈત, ઢિજ
	ન્	+	વ	=	ન્વ	અન્વય, અન્વેક્ષણ
	ગ્	+	વ	=	ગ્વ	ઋગ્વેદ
	શ્	+	વ	=	શ્વ	વિશ્વ, ઈશ્વર, શ્વાસ
	જ્	+	વ	=	જ્વ	ઉજ્વળ, પ્રજ્વલ, જ્વાલા
5.16	શ્	+	ચ	=	શ્ચ	નિશ્ચલ, પશ્ચિમ, નિશ્ચય
	ચ્	+	છ	=	ચ્છ	ઉચ્છેદ, મચ્છર, કચ્છ

5.17	ન્	+	મ	=	ન્મ	જન્મ, ઉન્મત, ઉન્માદ
	ન્	+	સ	=	ન્સ	સમન્સ, ઇન્સાન, ઇન્સાફ
	દ્	+	ભ	=	દ્ભ	ઉદ્ભવ, તદ્ભવ, સદ્ભાવ
	ધ્	+	ન	=	ધ્ન	વિધ્ન, વિધ્નસંતોષી, વિધ્નહર્તા
5.18	શ્	+	ન	=	શ્ન/શ્ન	પ્રશ્ન/પ્રશ્ન
	ખ્	+	જ	=	ખ્જ	કુખ્જ, કખ્જો, કુખ્જા
	ખ્	+	ઢ	=	ખ્ઢ	શખ્ઢ, શખ્ઢકોશ, શખ્ઢકાળ

## 6. ગુજરાતી અંક

૧	૨	૩	૪	૫	૬	૭	૮	૯	૧૦
૧	૨	૩	૪	૫	૬	૭	૮	૯	૧૦
૧	૨	૩	૪	૫	૬	૭	૮	૯	૧૦
૬	૭	૮	૯	૧૦					



7 લિપિ પાઠ - એક નમુના  
પાઠ - 1

1. અક્ષર

ડ	ઙ	ઠ	ઠ	ક	ફ
ડ	ઙ	ઠ	ઠ	ક	ફ

2. શબ્દ

ડફ	(ડફ)	કકક	(કકક)
ઠઠ	(ઠઠ)	ફકક	(ફકક)
ઠક	(ઠક)	ઠક	(ઠક)

3. પઢિં

ડફ	કકક				
ઠઠ	ફકક				
ઠક	ઠક				
ડ	ઠ	ઠ	ક	ફ	

4. લિખિં

ડ.....ડ

ઠ.....ઠ

ઠ.....ઠ

ક.....ક

ફ.....ફ

## I अभ्यास

1. दिए गए अक्षरों में 'ऽ' को पहचानिए।

ક હ ઽ ઃ ફ ઠ

2. दिए गए अक्षरों में 'ठ' को पहचानिए।

ઽ હ ઠ ક ઃ ફ

3. दिए गए अक्षरों में 'ह' को पहचानिए।

ક ઠ ઽ ફ હ ઃ

4. ऊपर के पंक्ति के जो अक्षर नीचे की पंक्ति में हैं उन अक्षरों को घेरे में डालिए।

ऽ	
ह	ऽ

ह	
ह	फ

क	
फ	क

ह	
ऽ	ह

ठ	
ठ	ऽ

5. ऊपर के पंक्ति के जो शब्द नीचे की पंक्ति में हैं उन शब्दों को घेरे में डालिए।

ऽफ	
हठ	ऽफ

हठ	
हठ	ऽफ

ऽफ	
कफ	ऽफ

ठक	
ठक	हठ

कऽक	
ठऽक	कऽक

फऽक	
फऽक	ठऽक

6. दुहराए हुए अक्षरों को पहचानिए।

ઠઠ      હહ      કક      ઠક      ફફ

7. सही प्रकार मिलाकर पढ़िए।

હ      ક  
ઠ      ઠ  
ક      ઠ  
ફ      ફ  
ક      ક

8. देवनागरी लिपि में दिए गए गुजराती शब्दों को गुजराती लिपि में लिखिए।

डफ      हठ      हक      ठक      फडक

9. कोष्ठक में दिए गए अक्षरों में से सही अक्षर चुनकर शब्द पूरे कीजिए।

(ક, હ, ક)

હ \_\_\_\_\_  
ઠ \_\_\_\_\_  
ફ \_\_\_\_\_

10. रेखांकित अक्षर के स्थान पर और एक अक्षर लिखकर एक नया शब्द बनाइए।

હક  
\_\_\_\_\_

11. सही अक्षर का प्रयोग कर शब्द पूरे कीजिए।

હ \_\_\_\_\_      ક \_\_\_\_\_      ફ \_\_\_\_\_

12. ઠ, ક तथा ફ अक्षर आनेवाले एक एक शब्द लिखिए।